भारत सरकार

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 2288

उत्तर देने की तारीख : 20.12.2022

बीजेआरसीवाई का कार्यान्वयन

2288 श्री दुर्गा दास उइके:

क्या **सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने बाबू जगजीवन राम छात्रावास योजना (बीजेआरसीवाई) के अंतर्गत बालक और बालिका छात्रावासों के लिए निधि के आबंटन को एकीकृत कर दिया है और यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;

(ख) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि बालक और बालिका छात्रावासों के लिए निधि के एकीकरण से संसाधनों का कुशल उपयोग सीमित हो जाएगा और इसके परिणामस्वरूप आवश्यकताओं को पूरा नहीं किया जा सकेगा;

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार का एकीकृत निधि आवंटन में संशोधन करने का विचार है; और

(घ) यदि नहीं, तो इस समस्या को कम करने के लिए परिकल्पित तंत्रों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री

(श्री ए. नारायणस्वामी)

(क): बाबू जगजीवन राम छात्रावास योजना (बीजेआरसीवाई) की स्कीम को विभाग की दो अन्य स्कीमों के साथ विलय कर दिया गया है तथा अनुसूचित जाति (एससी) के छात्रों के लिए छात्रावासों के निर्माण/मरम्मत का प्रावधान प्रधान मंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना (पीएम-अजय) नामक विलयित स्कीम के घटकों में से एक घटक है। छात्रावासों के लिए निधियों सहित इसके सभी घटकों के लिए पीएम-अजय के एकल बजट शीर्ष के अंतर्गत निधियों का प्रावधान किया गया है।

पूर्ववर्ती बीजेआरसीवाई के अंतर्गत विभाग ने सभी बालिका छात्रावासों और संघ राज्य प्रशासनों द्वारा प्रस्तावित बालक छात्रावासों के लिए 100% राज्य सरकार द्वारा प्रस्तावित बालक छात्रावासों के लिए 50% एवं केन्द्रीय संस्थानों के लिए 90% वित्तपोषण उपलब्ध कराया है। छात्रों के लिए पर्याप्त आवासीय सुविधाओं का प्रावधान करके विद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों में एससी के नामांकन को बढ़ावा देने के लिए एससी छात्रों के जेंडर पर

ध्यान दिए बिना एससी के सभी छात्रावासों के निर्माण हेतु पीएम-अजय के अंतर्गत अब 100% केन्द्रीय सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

(ख): मांग आधारित स्कीम होने के नाते, छात्रों के जेंडर पर ध्यान दिए बिना छात्रावासों के सभी पूर्ण और पात्र प्रस्तावों पर अनुदान जारी करने के लिए विचार किया जाता है। इसके अलावा, बजट आवंटन एकीकरण से नियोजन में अधिक लचीलापन आता है और इस प्रकार संसाधनों का इष्टतम उपयोग सुनिश्चित किया जा सकता है।

(ग) और (घ): भाग (ख) के उत्तर के मद्देनजर प्रश्न नहीं उठता।

*****